

Ms. Arunima Sinha

Ms. Arunima Sinha, former national level volleyball player, is the first female amputee of the world as well as of India to climb Mount Everest. She reached the summit of Mount Everest on May 21, 2013 after a hard toil of 17 hours. She took 52 days to reach the summit.

2. Born on July 20,1986, at Ambedkarnagar, Uttar Pradesh, Ms. Sinha graduated in Arts in 2007 and post graduated in Sociology in 2010 from Dr. Ram Manohar Lohia Awadh University. After loosing her left leg in an accident in 2011, she resolved to climb Mount Everest. She started taking training under the guidance of Bachendri Pal, the first Indian woman to climb Mount Everest at the Uttarkashi camp of Tata Steel Adventure Foundation (TSAF). She has already climbed three of the seven summits of the world - Mount Everest, Mount Kilimanjaro of Africa and Mt. Elbrus of Europe.

3. Ms. Sinha has dedicated herself to the social cause. She has actively participated in Uttarakhand Relief Work. She is planning to start a Sports Academy for poor and differently abled people and is motivating thousands of youths throughout the country with her inspiring life story. She has delivered many motivational talks in educational institutions like IIM, Kolkata, IIM Ahmedabad, IIT, Kanpur and in international, national and regional level youth conventions organised by Ramakrishna Mission in various parts of India, and in many reputed companies. Both print media and electronic media have covered her life story in various ways and on various occasions which has inspired thousands of people throughout the country. Autobiography of Ms. Singh, 'Born again on the Mountain' published by Penguin was launched by the Prime Minister of India on 12.12.2014.

4. Ms. Sinha has received various awards and honours including Salam India Award by India TV, Bharatiya Nari Shakti Award by India Today; 'Amazing India Award' by Times Now channel; International Vaish Federation Award etc. She has also been felicitated by various dignitaries.



सुश्री अरूणिमा सिन्हा

सुश्री अरूणिमा सिन्हा, राष्ट्रीय स्तर की पूर्व वॉलीबाल खिलाड़ी हैं। आप विश्व के साथ-साथ भारत की ऐसी पहली अपंग महिला हैं जो माउंट एवरेस्ट पर चढ़ीं। आप 17 घंटे के कठिन परिश्रम के बाद मई 21, 2013 को माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचीं। चोटी तक पहुंचने में आपको 52 दिन लगे।

2. आपका जन्म जुलाई 20, 1986 को अम्बेडकर नगर, उत्तर प्रदेश में हुआ। आपने डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय से सन् 2007 में कला स्नातक और सन् 2010 में समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर की डिग्रियां प्राप्त कीं। सन् 2011 में हुई दुर्घटना में अपना बांया पैर गंवाने के बाद आपने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का संकल्प लिया। आपने टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन (टी एस ए एफ) के उत्तरकाशी शिविर में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला बछेंद्रीपाल के दिशानिर्देश में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। आप विश्व की सात चोटियों में से तीन चोटियों अर्थात् माउंट एवरेस्ट, अफ्रीका की माउंट किलिमनजारो और यूरोप की माउंट एलब्रस पर पहले ही चढ़ चुकी हैं।

3. आपने अपना जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया है। आपने उत्तराखंड राहत कार्य में सक्रिय रूप से भाग लिया। आप गरीब और शारीरिक रूप से विकलांग लोगों के लिए खेलकूद अकादमी शुरू करने की योजना बना रही हैं और अपने जीवन की प्रेरक कहानी से समूचे देश में हजारों युवाओं को उत्साहित कर रही हैं। आपने आई आई एम कोलकाता, आई आई एम अहमदाबाद और आई आई टी कानपुर जैसे शिक्षण संस्थानों और भारत के विभिन्न भागों और कई ख्याति प्राप्त कम्पनियों में रामकृष्ण मिशन द्वारा आयोजित अन्तरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर के युवा अधिवेशनों में कई प्रेरक भाषण दिए हैं। प्रिंट मीडिया और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया ने कई तरीकों और कई अवसरों पर आपकी जीवनी प्रदर्शित की है जिससे समूचे देश के हजारों लोगों को प्रेरणा मिली है। पेंग्विन द्वारा प्रकाशित आपकी आत्मकथा 'बॉर्न अगेन ऑन द माउंटेन' का विमोचन भारत के प्रधानमंत्री द्वारा 12.12.2014 को किया गया।

4. आपको कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं जिनमें इंडिया टी वी का सलाम इंडिया पुरस्कार, इंडिया टुडे का भारतीय नारी शक्ति पुरस्कार; टाइम्स नाऊ चैनल का "अमेजिंग इंडिया पुरस्कार', इंटरनेशनल वैश फेडरेशन पुरस्कार आदि शामिल हैं। आपको विभिन्न प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा भी सम्मानित किया गया है।